''भ्रष्टाचार और बाल मजदूरी'' (एक समाजशास्त्रीय अध्ययन)

चन्दन कुमार सिंह

भारत की गिनती दुनिया के उन देशों में होती है, जहां भ्रष्टाचार का बोलबाला दुनिया के हर क्षेत्र में दिखाई देता है। देश में भ्रष्टाचार पर नियत्रंण एवं निगरानी हेतु सी.बी.आई. सतर्कता आयोग, पुलिस आर्थिक अपराध शाखा, राज्यों में भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसियां एवं अनेक क्षेत्र कार्यरत है, बावजूद इसके कि भ्रष्टाचार निरंतर फैलता जा रहा है। बेनामी और अवैध तरीकों से संपत्ति एवं धन को देश में गुप्त रूप से रहना या फिर विदेशों में सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा हैं। राजनीतियों, उद्योगपतियों और माफियाओं द्वारा काले धन की धाराएं स्विटजरलैंड के बैंक में इस तरह मिलती हैं जैसे नदियाँ समुद्र में जाकर मिलती हैं। यह काला धन ताकतवर लोगों का होना इसलिए उसका खुलासा करना आवश्यक नहीं होता। भ्रष्टाचार और काले धन की बहस राजनीतिगत एवं संस्थागत तक सीमित रही, इसके विभिन्न स्रोतों, कारणों और आयामों को इतनी अहमियत नहीं है। बालश्रम के कानूनी, आर्थिक, राजनीतिक और मानवीय पहलू है परंतु इसका महत्वपूर्ण पहलू बाल मजदूरी हैं यह भ्रष्टाचार का महत्वपूर्ण आयाम है।